दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, सोमवार 13 सितंबर 2021 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-03, अंक- 344

प्रशासनिक अधिकारियों के प्रभार में बड़ा फेरबदल

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ सरकार ने एक आदेश जारी कर प्रशासनिक अधिकारियों के प्रभार में बड़ा फेरबदल किया है।

सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव डा. कमलप्रीत सिंह ने इस संबंध में रविवार को आदेश जारी किया है।

जारी आदेशानुसार सुब्रत साहू भाप्रसे (1992) अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री तथा अतिरिक्त प्रभार अपर मुख्य सचिव गृह एवं जेल विभाग अपर मुख्य सचिव, जल संसाधन विभाग अपर मुख्य सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, अपर मुख्य सचिव, आवास एवं पर्यावरण विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग (रेल लाइन प्रोजेक्ट) तथा अध्यक्ष छग पर्यावरण संरक्षण मंडल को केवल अपर मुख्य सचिव, जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करते हुए अपर मुख्य सख्चि, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। शेष प्रभार यथावत रहेंगे।

मनोज कुमार पिंगुआ भाप्रसे (1994) प्रमुख्या सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग तथा सार्वजनिक उपक्रम विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार प्रमुख सचिव वन विभाग आवासीय आयुक्त छग भवन, नई दिल्ली एवं विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी सह निवेश आयुक्त सीएसआईडीसी (मुख्यालय नई दिल्ली) को केवल आवासीय आयुक्त छग भवन नई दिल्ली के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त करते हुए प्रमुख आवासीय आयुक्त छग भवन नई दिल्ली का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। शेष प्रभार यथावत रहेंगे।

डॉ. एम. गीता भाप्रसे(1997) प्रभारी कृषि उत्पादन आयुक्त एवं सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभागग को अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यंत आवासीय आयुक्त छग भवन नई दिल्ली के पद पर पदस्थ किया गया है।

अमृत कुमार खलखो भाप्रसे (2002) सचिव, श्रम विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार सचिव, राज्यपाल को उनके वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ श्रमायुक्त छत्तीसगढ़ का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

परदेशी सिद्धार्थ कोमल भाप्रसे (2003), सचिव, मुख्यमंत्री तथा अतिरक्त प्रभार सचिव, लोक निर्माण विभाग, सचिव, विमानन विभाग एवं सचिव, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को केवल सचिव, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अतिरक्त प्रभार से मुक्त करते हुए सचिव, खनिज साधन विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। शेष प्रभार यथावत रहेंगे।

अविनाश चंपावत भाप्रसे (2003) सचिव, जल संसाधन विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार सचिव, खेल एवं युवा कल्याण सचिव संसदीय कार्य विभाग को अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यंत सचिव, संसदीय कार्य विभाग के पद पर पदस्थ करते हुए आयुक्त पंचायत का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

प्रसन्ना आर. भाप्रसे (2004) सचिव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार सचिव, कौशल विकास एवं संचालक, पंचायत को केवल संचालक पंचायत के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त किया गया है। शेष प्रभार यथावत रहेंगे।

नरेन्द्र कुमार दुग्गा भाप्रसे (2016) विशेष सचिव, कृषि विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार प्रबंध संचालक छग राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ रायपुर को अस्थाई रूप से आगामी आदेश पर्यन्त मिशन संचालक समग्र शिक्षा के पद पर पदस्थ किया गया है।

अभिजीत सिंह भाप्रसे (2012) प्रबंध संचालक छग पाठ्य पुस्तक निगम तथा अतिरिक्त प्रभार संयुक्त सचिव स्कूल शिक्षा विभाग को अस्थाई रूप से आगामी आदेश पर्यन्त संचालक भू-अभिलेख के पद पर पदस्थ करते हुए संयुक्त सचिव गृह विभाग तथा संचालक शासकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

रणबीर शर्मा भाप्रसे (2012) संयुक्त सचिव मंत्रालय को अस्थाई रूप से आगामी आदेश पर्यन्त प्रबंध संचालक छग राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ रायपुर के पद पर पदस्थ करते हुए संयुक्त सचिव कृषि विभाग तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी छग राज्य जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन एजेंसी रायपुर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

सुधाकर खलको भाप्रेसे (2012) संचालक ग्रामोद्योग तथा अतिरिक्त प्रभार प्रबंध संचालक छग हस्तशिल्प विकास बोर्ड एवं प्रबंध संचालक छग माटीकला बोर्ड को उनके वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ प्रबंध संचालक छग हाथकरघा विकास एवं विपणन संघ मर्यादित रायपुर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

जगदीश सोनकर भाप्रसे (2013) मुख्यकार्यपालन अधिकारी छग राज्य जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन एजेंसी, रायपुर को अस्थाई रूप से आगामी आदेश पर्यन्त उप सचिव वनविभाग के पद पर पदस्थ किया गया है।

ऋतुराज रघुवंशी भाप्रसे (2014) आयुक्त नगर पालिका निगम भिलाई को अस्थाई रूप से आगामी आदेश पर्यन्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी रायपुर विकास प्राधिकरण रायपुर के पद पर पदस्थ किया गया है।

श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी भाप्रसे (2016) अपर संचालक उच्च शिक्षा को अस्थाई रूप से आगामी आदेश पर्यन्त संचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं के पद पर पदस्थ करते हुए अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

महत्वपूर्ण एवं खास

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में मुठभेड़ जारी

जम्मू (आरएनएस)। जम्मू एवं कश्मीर के राजौरी जिले में आज आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि राजौरी जिले के थानामंडी इलाके के बरोटे गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी की विशेष सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने रविवार सुबह अभियान शुरू किया। सूत्रों ने कहा, जैसे ही सुरक्षा बल अंदर आए, छिपे हुए आतंकवादियों ने आसपास के जवानों पर गोलियां चला दीं, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। इलाके से मिली खबरों में कहा गया है कि यह जगह नियंत्रण रेखा (एलओसी) के करीब है।

हरियाणा देश में गन्ने के सबसे अधिक दाम देने वाला राज्य : खट्टर

चंडीगढ़ (आरएनएस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि उनकी सरकार द्वारा 12 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि किये जाने की घोषणा के दो दिन बाद राज्य अब देश में गन्ने की सबसे अधिक कीमत वाला प्रदेश है। राज्य सरकार ने गन्ने का भाव 362 रुपये प्रति क्विंटल तय किया है। खट्टर ने अमरिंदर सिंह के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि पड़ोसी राज्य ने आगामी विधानसभा चुनावों के कारण चार साल बाद गन्ने के दाम बढ़ाए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार लगातार गन्ने के दाम बढ़ा रही है और यह राज्य के किसी चुनाव के मद्देनजर ऐसा नहीं किया जा रहा। पंजाब सरकार ने हाल में किसानों के हंगामे के बाद गन्ने की कीमत 360 रुपये प्रति क्विंटल कर दी थी। खट्टर ने कहा, हरियाणा वह राज्य है जहां गन्ने की सबसे ज्यादा कीमत दी जा रही है।

कांग्रेस ने 70 साल में जो बनाया, भाजपा ने वह सबकुछ बेच दिया : राहुल

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि उन्होंने सात साल में सब कुछ बेच दिया जो कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारों ने 70 साल में बनाया था। कांग्रेस से संबद्ध नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मुंबई आतंकी हमलों के समय प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को एक कमजोर प्रधानमंत्री करार दिया गया था, लेकिन मीडिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पुलवामा हमले के समय सवाल तक नहीं किया। उन्होंने कहा, कांग्रेस हमेशा देश को खड़ा करने वाला स्तंभ रही है और 70 साल की हमारी सारी मेहनत भाजपा ने केवल सात वर्षों में बेच दी। जब मुंबई पर हमला हुआ था, तो मनमोहन सिंह को मीडिया ने एक कमजोर प्रधानमंत्री कहा था। पुलवामा हमले के वक्त मीडिया ने सवाल भी नहीं उठाए। उन्होंने कोरोना वायरस महामारी के दौरान कड़ी मेहनत करने के लिए एनएसयूआई के सदस्यों की प्रशंसा की।

अकाली दल 17 सितंबर को मनाएगी काला दिवस

चंडीगढ़ (आरएनएस)। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) तीन केंद्रीय कृषि कानूनों को लागू करने के एक साल पूरे होने पर 17 सितंबर को काला दिवस के रूप में मनाएगा। किसानों के साथ पार्टी कार्यकर्ता उस दिन नई दिल्ली में गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब से संसद तक कृषि कानूनों को रद्द करने की मांग करते हुए विरोध मार्च निकालेंगे। पार्टी अध्यक्ष सुखबीर बादल की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया। पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष दलजीत चीमा ने कहा कि पंजाब के किसानों के साथ पार्टी के नेता और कार्यकर्ता विरोध मार्च में हिस्सा लेंगे। पिछले साल इसी दिन पार्टी नेताओं, हरसिमरत कौर बादल और सुखबीर बादल ने संसद में तीन कृषि कानूनों के पारित होने का विरोध किया था और वे केवल दो सांसद थे जिन्होंने विधेयकों के खिलाफ मतदान किया था। उसके बाद अकाली दल की प्रतिनिधि हरसिमरत कौर ने केंद्रीय मंत्रालय से इस्तीफा दे दिया और पार्टी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) छोड़ दिया और भाजपा के साथ अपना 24 साल पुराना गठबंधन तोड़ दिया था।

कश्मीर में बादल फटने से परिवार के 4 सदस्यों की मौत

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में रविवार को बादल फटने की एक घटना में बकरवाल (घुमंतू समुदाय) परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि बारामूला जिले के रफियाबाद इलाके के कफरनार घास के मैदान में बकरवाल परिवार के चार लोग मृत पाए गए।

पुलिस के अनुसार, इस परिवार के छह सदस्यों में से चार मृत पाए गए, जबकि एक जीवित पाया गया और एक अभी भी लापता है।

परिवार बड़े पैमाने पर बादल फटने की चपेट में आ गया था। परिवार राजौरी जिले के हाजी बशीर अहमद खारी से संबद्ध था। बादल फटने से परिवार बह गया था। उप महानिरीक्षक (उत्तरी कश्मीर) ने कहा, बचाव दल लापता व्यक्ति की तलाश कर रहे हैं, जिसके मलबे में दबे होने की आशंका है। बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई, जिससे धान के खेत और कुछ सरकारी इमारतें डूब गई, जिनमें रफियाबाद क्षेत्र के वाटरगाम गांव के स्कूल भी शामिल हैं।

कैथोलिक बिशप की सुरक्षा के लिए केरल बीजेपी ने अमित शाह को लिखा पत्र

तिरुवनंतपुरम (आरएनएस)। केरल भाजपा के राज्य महासचिव और अखिल भारतीय अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष, जॉर्ज कुरियन ने केंद्रीय गृह मंत्री, अमित शाह को पत्र लिखकर पाला के आर्क बिशप, जोसेफ बिशप कल्लारंगट को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है। उन्होंने इस्लामिक संगठनों द्वारा बिशप के खिलाफ खुले तौर पर धमकी मिलने के बाद लिखा है। बिशप जोसेफ कल्लारंगट ने बुधवार को कोट्टायम जिले के कुरुविलांगड में मार्थ मरियम पिलग्रिम चर्च में विश्वासियों को संबोधित करते हुए कहा था कि केरल में गैर-मुसलमानों को नारकोटिक जिहाद का शिकार होना पड़ता है। उन्होंने कहा कि जिहाद दो तरह के होते हैं- लव जिहाद और नारकोटिक जिहाद।

बिशप ने कहा था कि उन्होंने कहा था कि नारकोटिक जिहाद गैर-मुसलमानों, खासकर युवाओं को नशे का आदी बनाकर उनके जीवन को खराब करने की गतिविधि है। केंद्रीय गृह मंत्री को लिखे पत्र में भाजपा के प्रदेश महासचिव ने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री और साथ ही विपक्ष के नेता बिशप के खिलाफ सामने आए

हैं और इससे बिशप के खिलाफ इस्लामी संगठनों को सार्वजनिक विरोध करने की ताकत मिली है।

कुरियन ने कोच्चि में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा, मुख्यमंत्री और राज्य के विपक्षी नेता की स्थिति ने विभाजनकारी संगठनों को ताकत दी है और राज्य के इतिहास में पहली बार चरमपंथी संगठनों ने बिशप हाउस की ओर मार्च किया है। उन्होंने कहा कि मार्च में शामिल हुए चरमपंथियों ने बिशप के घर के पास बिशप के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि चरमपंथियों ने बिशप को धमकी भी दी थी कि उन्हें सड़क पर स्वतंत्र रूप से नहीं चलने दिया जाएगा। जॉर्ज कुरियन ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा, एक बिशप के जीवन के लिए खतरे के इस संदर्भ में, मैंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बिशप जोसेफ कल्लारंगट को सुरक्षा प्रदान करने का अनुरोध किया है।

भूपेंद्र पटेल होंगे गुजरात के नए मुख्यमंत्री

» विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति से चुने गए नेता

» गैरविवादित छवि और संगठन में पकड़ ने की राह आसान

» विधायक की पहली पारी में ही सीएम बनने का मिला अवसर

» चुनाव पूर्व भाजपा ने खेला पटेल कार्ड

नई दिल्ली (आरएनएस)। भूपेंद्र पटेल गुजरात के अगले मुख्यमंत्री होंगे। मुख्यमंत्री विजय रुपाणी के अचानक इस्तीफे के बाद रविवार को हुई विधायक दल की बैठक में उन्हें सर्वसम्मति से नेता चुना गया। विधायक दल की बैठक से पूर्व भाजपा कोर ग्रुप की बैठक में अगले

मुख्यमंत्री के रूप में पटेल के नाम पर मुहर लगी। पटेल संभवतः सोमवार के 15 मंत्रियों की टीम के साथ पद और गोपनीयता की शपथ लेंगे।

गौरतलब है कि शनिवार को अचानक मुख्यमंत्री रुपाणी ने इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद सीएम पद की रेस में केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला, मनसुख मंडाविया, डिप्टी सीएम नितिन पटेल, सौरभ पटेल, गोर्धन झड़पिया और प्रफुल्ल पटेल जैसे कई नामी चेहरे थे। हालांकि पार्टी नेतृत्व ने पहली बार विधायक बने भूपेंद्र पटेल के नाम पर मुहर लगवा कर एक बार फिर से सभी को चौंकने के लिए मजबूर किया।

गैरविवादित छवि और संगठन में पकड़ के साथ-साथ भूपेंद्र को पटेल बिरादरी से होने का लाभ मिला। चूंकि अगले साल राज्य में विधानसभा चुनाव है। ऐसे में नेतृत्व राज्य के लिए पटेल समुदाय से किसी गैरविवादित चेहरे की तलाश में था। यूपी की वर्तमान राज्यपाल और राज्य की पूर्व सीएम आनंदी बेन की पारंपरिक घाटलोडिया सीट से बीते चुनाव में पहली बार विधायक बने पटेल की संगठन में अच्छी पकड़ है। इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले पटेल इससे पूर्व अहमदाबाद शहरी विकास प्राधिकरण में चेयरमैन का पद संभाल चुके हैं।

विधायक दल का नेता चुने गए भूपेंद्र उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन के करीबी और प्रधानमंत्री के विश्वस्त नेता रहे हैं। बीते चुनाव में आनंदी बेन की सिफारिश पर ही उनकी पारंपरिक सीट घाटलोडिया से उन्हें टिकट मिला। भूपेंद्र ने 80 हजार केबड़े अंतर से जीत हासिल की। हालांकि आनंदी की जगह उम्मीदवार बनाए गए भूपेंद्र के नाम की चर्चा उस समय भी हुई थी, मगर उन्हें नई सरकार में कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई थी।

पद संभालते ही चुनौतियों का अंबार

भूपेंद्र को पद संभालते ही कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। दरअसल कोरोना की पहली और दूसरी लहर में राज्य में सरकार के खिलाफ नाराजगी बढ़ी। इसी दौरान पटेल समुदाय में नाराजगी पहले से और बढ़ गई। अब नए सीएम को कोरोना के कारण उत्पन्न नाराजगी के साथ अपनी बिरादरी में जारी असंतोष को थामने की चुनौती होगी।

कश्मीरी नेताओं ने जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले में पुलिसकर्मी की हत्या की निंदा की

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर की मुख्यधारा के पार्टी नेताओं ने रविवार को हुए आतंकवादी हमले में जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक पुलिसकर्मी की हत्या की निंदा की है। श्रीनगर के खानयार इलाके में आतंकियों ने जूनियर पुलिस अफसर अर्शीद अहमद पर नजदीक से फायरिंग की गई। गंभीर हालत में उन्हों अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गई।

पूर्व मुख्यमंत्री और जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता, उमर अब्दुल्ला ने ट्वीट किया, श्रीनगर शहर के बीचोबीच एक नृशंस हमले में एट द रेट जम्मूकश्मीर पुलिस के सब-इंस्पेक्टर अर्शीद मीर की ड्यूटी के दौरान मौत के बारे में सुनकर दुख हुआ। अल्लाह अर्शीद को जन्नत में जगह दे। जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के नेता इमरान अंसारी ने हमले की निंदा करते हुए ट्वीट किया, जेके पुलिस सब-इंस्पेक्टर अर्शीद अहमद की हत्या की कड़ी निंदा करता हूं। एक युवा जीवन व्यापक दिन के उजाले में छीन लिया, अपने परिवार को सदा के लिए शोक और दुख की भावना में छोड़ दिया। अल्लाह करे उसे जन्नत में सर्वोच्च स्थान प्रदान करें।

सेलाइन गार्गल आरटी-पीसीआर तकनीक की जानकारी एमएसएमई मंत्रालय को हुई हस्तांतरित

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोविड-19 के खिलाफ भारत की लड़ाई में एक उल्लेखनीय कदम उठाते हुए, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के तहत नागपुर स्थित राष्ट्रीय पर्यावरणगत इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान (एनईईआरआई) ने स्वदेशी रूप से विकसित सेलाइन गार्गल (नमक घोल के गरारे) आरटी-पीसीआर तकनीक जिसका उपयोग कोविड-19 नमूनों के परीक्षण के लिए उपयोग किया जाता है, की जानकारी हस्तांतरित कर दी है। सेलाइन गार्गल आरटी-पीसीआर प्रौद्योगिकी सरल, त्वरित, सस्ती, रोगी के अनुकूल और आरामदायक है; यह त्वरित जांच परिणाम भी उपलब्ध कराती है और न्यूनतम बुनियादी ढांचा आवश्यकताओं को देखते हुए ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों के लिए सर्वथा उपयुक्त है।

सीएसआईआर-नीरी ने कहा कि संस्थान द्वारा विकसित नवोन्मेषण समाज की सेवा के लिए %राष्ट्र को समर्पित% किया गया है। इस जानकारी को गैर-विशिष्ट आधार पर केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) को हस्तांतरित कर दिया गया है। यह नवोन्मेषण निजी, सरकारी और विभिन्न ग्रामीण विकास योजनाओं और विभागों सहित सभी सक्षम पार्टियों को

वाणिज्यीकरण करने और लाइसेंस प्राप्त करने में समर्थ बनाएगा।

लाइसेंसधारकों से आसानी से प्रयोग करने योग्य कॉम्पैक्ट किट के रूप में व्यावसायिक उत्पादन के लिए विनिर्माण सुविधाएं स्थापित करने की अपेक्षा की जाती है। महामारी की व्याप्त स्थिति तथा कोविड-19 की संभावित तीसरी लहर को देखते हुए सीएसआईआर-नीरी ने देश भर में इसके व्यापक प्रसार के लिए संभावित लाइसेंसधारियों को जानकारी हस्तांतरण करने की प्रक्रिया तेज कर दी है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की उपस्थिति में कल 11 सितंबर, 2021 को मानक प्रचालन प्रक्रिया और सेलाइन गार्गल आरटी-पीसीआर प्रौद्योगिकी का औपचारिक हस्तांतरण किया गया।

इस अवसर पर, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा सलाइन गार्गल आरटी-पीसीआर पद्धति को पूरे देश में, खासकर संसाधन की दृष्टि से निम्न ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में कार्यान्वित करने की आवश्यकता है। इसका परिणाम त्वरित और अधिक नागरिक-अनुकूल जांच के रूप में आएगा तथा महामारी के खिलाफ हमारी लड़ाई को और सुदृढ़ करेगा। एमएसएमई इकाई ने सीएसआईआर-नीरी द्वारा विकसित सेलाइन गार्गल आरटी-पीसीआर प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण के लिए सीएसआईआर-नीरी से संपर्क किया था।

सेलाइन गार्गल आरटी-पीसीआर प्रौद्योगिकी के प्रमुख आविष्कारक एनईईआरआई के वैज्ञानिक डॉ कृष्ण खैरनार और सीएसआईआर-नीरी, नागपुर में पर्यावरण विषाणु विज्ञान के रिसर्च स्कॉलर की टीम है।

एमएसएमई इकाई को जानकारी के हस्तांतरण के दौरान सीएसआईआर-नीरी (सलाइन गार्गल आरटी-पीसीआर का नवोन्मेषक) के वैज्ञानिक और ईवीसी के प्रमुख डॉ कृष्णा खैरनार, सीएसआईआर-नीरी के निदेशक डॉ. वरी चंद्रशेखर, सीएसआईआर-नीरी के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के अध्यक्ष डॉ अतुल वैद्य, एमएसएमई इकाई के निदेशक राजेश डागा और एमएसएमई इकाई के निदेशक कमलेश डागा भी उपस्थित थे।